

चलो महाकाल की नगरिया में भजन लिरिक्स



चलो महाकाल की नगरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में,
करो शिव की पूजा उमरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में,
चलो महाकाल की नगरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में।

अनमोल तन तूने मानुष का पाया,
फिर भी हरी नाम तूने ना गाया,
माया में भरमाया दुनियाँ में आकर,
बैठा ना इक पल भी सतसंग में आकर,
क्यूँ लगाये दाग इस चुनरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में,
चलो महाकाल की नगरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में।

आजा गुरु की शरण में प्यारे प्राणी,
अनमोल मोती है संतो की वाणी,
गुरुजी के वचनों को मन में बिठाकर,
ॐ नाम की माला हर पल जपाकर,
तो बड़ा मजा आये उमरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में,
चलो महाकाल की नगरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में।

पी लो भोले नाम का जग में प्याला,
तन-मन को पावन करें यह माला,
बाबा के चरणों में मन को लगाकर,
पा लो इसे सत्य रटना लगाकर,
तो बड़ा मजा आए उमरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में,
चलो महाकाल की नगरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में।



चलो महाकाल की नगरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में,
करो शिव की पूजा उमरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में,
चलो महाकाल की नगरिया में,
ॐ नाम बांध लो गठरिया में। bdi

गायक – तुषार ठाकुर।
रचियता – सतीश गोथरवाल।
8959791036
संगीत – डॉ. विजय गोथरवाल
